ISSN 0970-9312

प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 45 **अंक 3** **जुलाई 2021**

इस अंक में

संवाद

लेख

1. साइकिल के रास्ते शिक्षा — ऋषभ कुमार मिश्र — 5
   कार्यानुभव आधारित अधिगम का वृत्त अध्ययन
2. रचनावादी शिक्षण उपागम के प्रति संस्कृत विषय के विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया का अध्ययन — रंजय कुमार पटेल — 17
3. जनजाति क्षेत्र में नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के क्रियान्वयन के प्रति अभिधारकों का प्रत्यक्षण — खीमाराम काक — 25
4. प्राथमिक शिक्षा में समन्वित (क्रॉस करिकुलर) शैक्षिक दृष्टिकोण — दीपक चांदुरे — 41
5. स्वामी विवेकानंद तथा *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* — सरिता चौधरी, सुमित गंगवार — 47
6. शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा हिंदी के प्रति घटते रुझान के कारणों का अध्ययन — सुनील कुमार भट्ट — 53
7. आनंद के लिए पढ़ना — सोनिका कौशिक — 62
8. प्राथमिक स्तर पर हिंदी पाठ्यपुस्तकों में निहित मानव मूल्यों का अवलोकन — कुमुद भारद्वाज, राहुल मिश्र — 68
9. संस्कृतिकरण का शिक्षाशास्त्र — उषा शर्मा — 76

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी NCERT

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं–
(i) अनुसंधान और विकास,
(ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार।
यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।
उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है–
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

10. भारतीय भाषा शास्त्रीय चिंतन में भाषा की अवधारणा — टीना यादव — 82

11. हिंदी भाषा-साहित्य शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता एक अध्ययन — लालचंद राम — 90

12. कविताओं का बालमन पर प्रभाव — दीपमाला — 106

13. हिंदी पाठ्यपुस्तकों के प्रश्नों में वंचित वर्ग की अवस्थिति — ऋतुबाला — 111

विशेष

14. विद्यालयी शिक्षा में नयी पहलें — 122

बालमन कुछ कहता है

15. दिल्ली मेरी जान — सार्थक — 151

कविता

16. शिक्षा — सुनील कुमार वत्स — 152